# मुर्गीपालन

## मुर्गीपालन के लिए निम्न बातों को ध्यान में रखकर किया जाना चाहिएः–

- आवास हमेशा सुरक्षित स्थान पर होना चाहिल जहां पर उनके प्राकृतिक शत्रु जैसे कुत्ता, बिल्ली, सांप व नेवला की पहुंच न हो।
- मुर्गियों का आवास हमेशा बस्ती या गांव से दूर होना चाहिए।
- सूर्य का प्रकाश पर्याप्त मात्रा में मिलता रहना चाहिल लवं प्रत्येक मुर्गी को रहने के लिल पर्याप्त स्थान मिलना चाहिए।
- आवास लेसे स्थान पर होना चाहिल जहां पर श्रमिक आसानी से उपलब्ध हो सकें साथ ही जहां पर माल की बिक्री भी आसानी से हो सके।
- मुर्गी फार्म के लिल स्थान का चुनाव करते समय इस बात का ध्यान रखना चाहिल कि वहां पर यातायात के साध्नों की उपलब्धता आसानी से हो सके।

आवास व्यवस्था :–

**पिंजरा या दड़बा प्रणाली** :–

इस प्रणाली में लोहे के मोटे तार द्वारा बने हुए पिंजरे में 2–3 मुर्गियों को एक साथ रखा जा सकता है तथा सामने की और पानी व दाने की व्यवस्था की जाती है पिंजरे का फर्श लेसा होता है कि अण्डा लुढ़क कर सामने निर्धरित स्थान पर आकर रूक जाता है तथा टूटता नहीं है। मुर्गी की बीठ नीचे गिरती रहती है जिसको समय–समय पर साफ किया जाता है इस विधि में बीमारी अध्कि नहीं फैलती है तथा आहार का खर्चा भी अध्कि नहीं होता है।

**डीप लीटर प्रणाली** :– इस प्रणाली में मुर्गीघर में लीटर ;बिछावनद्ध बिछाकर पक्षियों को रखा जाता है। इसमें मुर्गी पूरे घर में इच्छा पूर्वक घूमती रहती है। लीटर ;बिछावनद्ध हेतू मूंगफली के छिलके, चावल का भूसा, गेहूं का भूसा, कुट्टी लवं लकड़ी का बुरादा आदि प्रयोग किया जाता है।

लीटर बिछाने से अभिप्राय मुर्गी की बीठ की नमी को सोखने से होता है। डीप लीटर प्रणाली के

अंतर्गत रखे जाने पर प्रति पक्षी 2 से 2.5 वर्ग फुट स्थान की आवश्यकता होती है तथा एक ब्रायलर पक्षी के लिल 0.75 से 1 वर्ग फुट प्रति पक्षी के लिल 0.75 से 1 वर्ग फुट प्रति पक्षी स्थान की आवश्यकता होती है। इस प्रणाली में उचित तापमान 45 डिग्री से 47 डिग्री फॉरनेहट होता है। इस तापमान पर अण्डा उत्पादन ठीक रहता है, इससे अध्कि तापमान होने पर अण्डों की संख्या कम व आकार छोटा हो जाता है। सामान्यतः डीप लीटर प्रणाली के अंतर्गत मुर्गीघर में 40–70 प्रतिशत नमी रहनी चाहिल। इस प्रणाली में मुर्गीघर में रोशनदान की पर्याप्त व्यवस्था होनी चाहिल ताकि वांछित स्वस्थ हवा की प्राप्ति व अशु( हवा के निकलने के लिल पर्याप्त स्थान हो।

मनदीप सिंह आज़ाद, बनारसी लाल,
ललित उपाध्याय, संजय कौशल, कवरदीप कौर
कृषि विज्ञान केंद्र, रियासी ,जम्मू कश्मीर
शेर-ए-कश्मीर कृषि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, जम्मू